

वीर तेजा छात्रावास, पावटा जोधपुर

1. छात्रावास का नाम व पता — वीर तेजा छात्रावास, पावटा जोधपुर

2. इतिहास — सन् 1929 में जाट बोर्डिंग हाउस जोधपुर का संचालन विजय चौक स्थित विशाल भवन शुरू होने के बाद लगातार छात्र संख्या बढ़ती रही इसलिए प्रवेश चाहने वाले सभी छात्रों को छात्रावास में रखना सम्भव नहीं था। ऐसे में बाबू गुल्लाराम चौधरी, बलदेव राम मिर्धा, नाथूराम मिर्धा व अन्य समाज बंधुओं ने करीब 4 बीघा भूमि शिप हाउस पावटा के पास खरीदी जिसमें एक तरफ वीर तेजा जी महाराज का मन्दिर व साथ में धर्मशाला के 13 कमरे बनवाये गये। मंदिर परिसर के पास ही महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए छात्रावास बनाया गया जिसका नाम वीर तेजा जाट छात्रावास रखा। इसकी स्थापना सन् 1941-42 में हुई। 6 कमरों का निर्माण कुछ समय पश्चात् करवाया। इस छात्रावास का संचालन भी 1970 ई. तक किसान बोर्डिंग के जनरल मैनेजर मास्टर रघुवीर सिंह द्वारा कार्यकारिणी के निर्देशानुसार होता रहा। लम्बे समय तक आवासीय कमरों का विस्तार नहीं हो सका। इसलिए सन् 1955-56 में कागा में मोती चौक संतों के रामद्वारे में किसान बोर्डिंग हाउस जोधपुर की शाखा के रूप में बाल सेवा सदन छात्रावास शुरू किया गया। वीर तेजा हॉस्टल तथा मंदिर परिसर की देखरेख मूलतः पीरा राम पोटलिया, लक्ष्मण मंडा, जेठमल चौधरी आदि करते थे। सन् 2013 में नये 42 कमरों का निर्माण समाज के भामाशाहों के सहयोग से करवाया गया जिनमें— मूलाराम पोटलिया, हीरालाल मुण्डेल, बट्टीराम जाखड़, अशोक फड़ौदा, भल्लाराम सारण, महादेव डारा, ओमप्रकाश काटिया, पूनाराम लोल, ओमप्रकाश रामस्वरूप थोरी, शेराराम आईदान राम सारण, भीयाराम धायल, राजेश बेरा (सालवा कलां), शारदा चौधरी, चेलाराम मुण्डण, रामवीर पहलवान (पूर्व विधायक), प्रदीप रामस्वरूप कस्वां, किसना राम बेनीवाल, ताराचंद चोयल तथा धर्मराम छबरवाल आदि प्रमुख हैं। वीर तेजा हॉस्टल की वर्तमान कार्यकारिणी के अध्यक्ष — आईदान राम रेवाड़, उपाध्यक्ष — चुनाराम खिचड़, सचिव — आईदान राम सारण (पार्षद, नगर निगम उत्तर, जोधपुर) तथा कोषाध्यक्ष व वार्डन अशोक चौधरी हैं।

डॉ. गंगाराम जाखड़, एच.आर इसराण जोगाराम सारण की पुस्तक
“मारवाड़ जाट समाजिक एवं शैक्षिक जागृति” से साभार